फ्रैंक्स का मेरविंगियन राजवंश
(लगभग 5वीं–8वीं शताब्दी)

1️⃣ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

476 ई. में पश्चिमी रोमन साम्राज्य के पतन के बाद यूरोप में अनेक जर्मनिक जनजातियाँ सत्ता में आईं — जैसे विसिगोथ, ऑस्ट्रोगोथ, वैंडल और फ्रैंक्स।

फ्रैंक्स राइन नदी के आसपास बसने वाली जर्मनिक जनजाति थी, जिसने गॉल (आधुनिक फ्रांस) में स्थायी राज्य स्थापित किया।

मेरविंगियन वंश का नाम उसके पौराणिक पूर्वज मेरोवेच (Merovech) के नाम पर पड़ा, पर वास्तविक संस्थापक क्लोविस प्रथम (Clovis I) थे।

2️⃣ क्लोविस प्रथम (481–511 ई.) : वास्तविक संस्थापक

🔹 राजनीतिक उपलब्धियाँ

विभिन्न फ्रैंकिश जनजातियों को एकीकृत किया

486 ई. में रोमन गवर्नर स्याग्रिउस (Syagrius) को हराकर गॉल में प्रभुत्व स्थापित किया

496 ई. में टोलबियाक (Tolbiac) के युद्ध में अलामनी (Alamanni) को हराया

🔹 ईसाई धर्म ग्रहण (496 ई.)

क्लोविस ने कैथोलिक ईसाई धर्म स्वीकार किया

अधिकांश जर्मनिक शासक आरियन ईसाई थे

इससे उसे रोमन चर्च और गैलो-रोमन जनता का समर्थन मिला

👉 यही घटना फ्रैंक्स को अन्य जर्मनिक राज्यों से अलग करती है और फ्रांस की भविष्य की धार्मिक पहचान तय करती है।

3️⃣ प्रशासनिक व्यवस्था

मेरविंगियन शासन जर्मनिक परंपराओं और रोमन प्रशासन का मिश्रण था।

🔹 प्रमुख विशेषताएँ:

राज्य को प्रांतों में बाँटा गया

प्रत्येक क्षेत्र में काउंट (Count) नियुक्त

कर व्यवस्था आंशिक रूप से रोमन प्रणाली पर आधारित

🔹 सलिक क़ानून (Salic Law)

जर्मनिक परंपराओं पर आधारित विधि-संहिता

रक्त-प्रतिशोध की जगह आर्थिक दंड (wergild)

महिलाओं को उत्तराधिकार में राजसिंहासन का अधिकार नहीं

यह कानून बाद में फ्रांस की राजसत्ता पर गहरा प्रभाव डालता है।

4️⃣ सामाजिक संरचना

🔹 तीन मुख्य वर्ग:

राजा और कुलीन (Nobility)

स्वतंत्र किसान (Freemen)

दास (Slaves)

भूमि ही शक्ति का आधार थी।

राजा अपने अनुयायियों को भूमि देकर समर्थन प्राप्त करता था — यही आगे चलकर सामंतवाद (Feudalism) का आधार बना।

5️⃣ चर्च और राज्य का संबंध

बिशप प्रशासन में प्रभावशाली

चर्च को भूमि दान

मठों (Monasteries) की स्थापना

मेरविंगियन शासकों ने चर्च को संरक्षण दिया, और बदले में चर्च ने उन्हें वैधता दी।

6️⃣ उत्तराधिकार की समस्या
मेरविंगियन शासन की एक बड़ी कमजोरी थी —
राज्य को राजा की मृत्यु के बाद पुत्रों में बाँट दिया जाता था।
इससे:
आंतरिक संघर्ष बढ़े
राजनीतिक अस्थिरता उत्पन्न हुई
सत्ता विखंडित होती गई
7️⃣ "Mayor of the Palace" का उदय
7वीं–8वीं शताब्दी तक वास्तविक शक्ति "महल के प्रमुख" (Mayor of the Palace) के हाथों में चली गई।
प्रमुख नाम:
चार्ल्स मार्टेल
पेपिन द शॉर्ट
751 ई. में पेपिन ने अंतिम मेरविंगियन शासक चिल्डरिक तृतीय (Childeric III) को हटाकर कैरोलिंगियन वंश की स्थापना की।
8️⃣ पतन के कारण
उत्तराधिकार की विभाजन नीति
कमजोर शासक
कुलीनों की शक्ति वृद्धि
मेयर ऑफ द पैलेस का प्रभुत्व
9️⃣ ऐतिहासिक महत्व
पश्चिमी यूरोप में पहली स्थायी जर्मनिक सत्ता
फ्रांस के राजनीतिक इतिहास की नींव
चर्च–राज्य गठबंधन की शुरुआत
सामंतवाद की प्रारंभिक संरचना
कैरोलिंगियन युग के लिए आधारभूमि तैयार की
🔎 आलोचनात्मक विश्लेषण
मेरविंगियन काल को कभी-कभी "Dark Age" का हिस्सा कहा जाता है, परंतु आधुनिक इतिहासलेखन इसे संक्रमणकालीन पुनर्गठन का युग मानता है।
यह रोमन राजनीतिक संरचना से मध्यकालीन यूरोप की ओर परिवर्तन का समय था।